JETIR.ORG ISSN: 2349-5162 | ESTD Year : 2014 | Monthly Issue
JOURNAL OF EMERGING TECHNOLOGIES AND INNOVATIVE RESEARCH (JETIR)
An International Scholarly Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

# "प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) का प्रदर्शन 2015 - 2023 का विंहगावलोकन महिला सशक्तिकरण विशेष के लिए छत्तीसगढ़ धमतरी जिले के संदर्भ में।"

**शोधार्थी**
**केननक्रांता पटेल,**
**भारती विश्वविद्यालय दुर्ग।**

**शोध निदेशक**
**डॉ काजोल दत्ता**
**सहायक प्राध्यापक वाणिज्य,**
**भारती विश्वविद्यालय दुर्ग, छ0ग0**

## सामान्य सांराश

**उद्देश्य:** महिला उद्यमिता और आर्थिक सशक्तीकरण लैंगिक समानता और महिला अधिकारों को प्राप्त करने में एक महत्वपूर्ण कारक है। यह आर्थिक विकास, आय समानता और सामाजिक प्रगति को बढ़ाने में भी मदद कर सकता है। इस पेपर में मुद्रा योजना के 2015-16 से 2022-23 का प्रदर्शन विशेष महिला उद्यमियों (एमएसएमई) के प्रदर्शन की जांच करते हैं।

**शोध उद्देश्य -** महिला उद्यमियों के लिए पीएमवाई की प्रभावशीलता की जांच करना और यह देखना कि यह क्षेत्र विकास और वृद्धि में किस प्रकार सहायक है।

**कार्यप्रणाली:** मुद्रा योजना की जानकारी मुद्रा योजना की वार्षिक रिपोर्ट और वेबसाइट से प्राप्त की गई है। इसमें मिश्रित डेटा, द्वितीयक डेटा, कई पत्रिकाओं और त्रैमासिक प्रकाशनों से अन्य स्रोतों से डेटा और प्राथमिक डेटा बैंक सर्वेक्षण से एकत्र किया गया है।

**परिणाम:**भारत सरकार द्वारा पीएमएमवाई मुद्रा योजना के अवलोकन के अनुसार परिणाम, यह एमएसएमई विकास में योगदान देता है और भारत छत्तीसगढ़ धमतरी में महिला उद्यमियों का समर्थन करता है।

**मूलतः/मूल्य:** इस अध्ययन ने विभिन्न वित्तीय वर्षों में पीएमएमवाई मुद्रा योजना के प्रदर्शन को निर्धारित किया है और इससे हमें स्टैंड-स्टार्ट अप के विकास पर पीएमएमवाई योजना के प्रभाव और महिला उद्यमियों के एमएसएमई में वृद्धि के बारे में जानने में मदद मिलेगी।

**पेपर प्रकार:** मिश्रित केस स्टडी ,वर्णनात्मक अध्ययन।

**मुख्य शब्द:** सूक्ष्म, लघु उद्यमी एमएसएमई, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना पीएमएमवाई योजना, मुद्रा, महिला उद्यमी।

**परिचय:**

प्रधानमंत्री योजना (पीएमएमवाई) 8 अप्रैल 2015 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 10 लाख रुपए तक के ऋण उपलब्ध कराकर महिला उद्यमियों के विकास में सहायता के लिए शुरू की गई एक योजना है जो कि वर्तमान जो 24 अक्टूबर 2024 से 10 लाख से बढ़कर 20 लाख रुपए की राशि सीमा तय की गई है।इन ऋणों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत मुद्रा ऋण शिशु ,किशोर ,तरुण एवं तरुण प्लस 20 लाख रुपए तक के रुपए वर्गीकृत किया गया है ।ये ऋण वाणिज्यिक बैंकों ,आरआरबी ,लघु वित्त, बैंकों,एएफआई और एनबीएफसी द्वारा दिये जाते हैं। जिनके द्वारा महिलाओं को अपने व्यवसाय में सहयोग राशि प्रदान की हैं आगे के मार्ग को सुगम, सरल बनाया है।

"मुद्रा, वित्तपोषित लोगों को वित्तपोषित करने की हमारी नवीनता है।"
**स्त्रोत -( पीआईबी)**

**मुद्रा योजना की अवधारणा -**

**मुद्रा विज़न -** "समग्र ,आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए पिरामिड जगत के निचले हिस्से के लिए वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं और मानकों के अनुरुप उत्कृष्ट एकीकृत वित्तीय और सहायता सेवा प्रदाता बनना।" स्त्रोत (पीआईबी)

**मुद्रा मिशन-** "आर्थिक सफलता और वित्तीय सुरक्षा प्राप्त साथ करने के लिए अपने साझेदार संस्थानों के साथ सहयोग करके एक समावेशी ,टिकाऊ और मूल्य आधारित उघमशीलता का निर्माण करना।"

www.udyamimitra.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तत्वाधान में , मुद्रा के लाभार्थी सूक्ष्म इकाई/उघमी की वृद्धि/विकास और वित्तपोषण आवश्यकताओं के चरणों को दर्शाने के लिए चार उत्पाद बनाए है।

**PRADHAN MANTRI MUDRA LOAN YOJANA(PMMY) CATEGORY.**

| 01 | 02 | 03 | 04 |
|---|---|---|---|
| **Shishu** | **Kishore** | **Tarun** | **Tarun Plus** |
| Covering lons up to Rs. 50,000. | Covering lons above Rs. 50,000 and up to 5 Lakhs. | Covering loans above Rs 5 Lakhs and up to 10 Lakhs. | Covering loans above Rs. 10 Lakhs and up to 20 Lakhs. |

## प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

छोटे गैर कॉरपोरेट क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था में अत्यधिक महत्वपूर्ण है। किंतु इन छोटे कुटीर उद्योगों को बैंक नियमों को पूरा नहीं कर पाने के कारण बैंकों के आर्थिक मदद आसानी से नहीं मिलती वह काफी हद तक स्ववित्त पोषित है अथवा निजी नेटवर्क एवं साहूकारों पर निर्भर है इसलिए मुद्रा बैंक योजना के 8 अप्रैल 2015 को घोषित की गई है। यहां न केवल इन उद्योगों के जीवन रिश्ते में सुधार लाएगा । वह रोजगार सृजन करेगी एवं देश के कुछ विकास दर को प्राप्त करने में योगदान देगा । उदाहरण बैंक योजना तहत छोटे उद्योगों एवं दुकानदारों को ऋण की सुविधा निम्न चरणों में दी गई है -

**1)शिशु ऋण योजना-:** कुटीर उद्योगों की शुरुआत के समय मुद्रा बैंक के तहत ₹50000 के दिन का प्रावधान है ।

**2)किशोर ऋण योजना -:** इस योजना में ऋण की राशि 50000 रु से ₹500000 तक की जा सकती है।

**3) तरूण ऋण योजना -:** इसमें 5 से 10 लाख तक का ऋण लिया जा सकता है।

**4) तरुण अधिशेष ऋण योजना-:** यहां योजना 2024 में अक्टूबर में लाया गया है जिसमें 10 से 20 लाख रुपए तक का ऋण लिया जा सकता है पूर्व दिए गए तरूण ऋण की उत्तम संबंध के अनुरूप।

## पूर्व साहित्य की समीक्षा:-

1) **डॉ. फिरोज कुमार सोनवानी, (2024)** यह पत्र छत्तीसगढ़ राज्य में गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के आर्थिक विकास पर मुद्रा योजना के प्रभाव की जांच करता है। छत्तीसगढ़ राज्य अपनी ग्रामीण आबादी के

महत्व और आर्थिक चुनौतियों के लिए जाना जाता है। सरकारी प्रकाशित आंकड़ों, सर्वेक्षण और केस स्टडीज का उपयोग करते हुए अध्ययन वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने, आय के स्तर को बढ़ाने और रोजगार पैदा करने में योजना की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करता है। निष्कर्ष वित्तीय समावेशन और आय सृजन पर सकारात्मक प्रभाव का संकेत देते हैं, उन्होंने योजना का प्रभावी उपयोग करके ऋण पहुंच से संबंधित चुनौतियों का सामना किया।

2) **शैलेन्द्र कुमार गुप्ता (2022)** भारत में, छोटे व्यवसाय बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार प्रदान करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, यह कृषि के बाद अशिक्षित और अकुशल लोगों को शामिल करने वाला दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है, भविष्य में, कम आय वाले समूह के लाखों लोग छोटे व्यवसाय स्थापित करने की इच्छा रखते हैं, लेकिन ज्यादातर क्रेडिट सीमाओं के कारण शुरू करने में असमर्थ होते हैं। यह नियुक्ति मुद्रा योजना और इसके प्रमुख उद्देश्यों के बारे में जानने का एक प्रयास है। यह पत्र छोटे व्यवसाय इकाइयों के प्रति मुद्रा बैंक की भूमिका और महत्व पर प्रकाश डालता है। यह कई पहलुओं के संदर्भ में 2015 से 2024 के वर्ष के लिए मुद्रा योजना की समीक्षा भी करता है।

3) **जॉर्ज और नलिनी (2018)** के निष्कर्षों के अनुसार, भारत में मध्यम और छोटे व्यवसाय आर्थिक विकास जारी रखते हैं और इस प्रकार उन्हें प्रोत्साहित और बढ़ावा दिया जाना चाहिए, भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान छोटे उद्यमियों को समर्थन देने के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए हैं, उन्होंने जांच की कि मुद्रा योजना भारत में सूक्ष्म, मध्यम और लघु व्यवसाय इकाई को आगे बढ़ाने के लिए हाल ही में शुरू की गई है, ऐसी योजना कुशल श्रमिकों और युवा शिक्षित युवाओं को व्यवसाय के विकास के लिए प्रोत्साहित और समर्थन करने और आर्थिक विकास में योगदान करने में मदद करती है।

4) **संदंशिव वी.आर. (2019)** ने अपने शोध पत्र "मुद्रा योजना के वित्तीय प्रदर्शन का एबी विश्लेषण" में मुद्रा योजना के पिछले तीन वर्षों के वित्तीय प्रदर्शन का विश्लेषण किया है। दूसरे डेटा पर आधारित अध्ययन ने क्षेत्रवार, राज्यवार, जिलावार एजेंसीवार और लक्ष्य और दूसरी राशि के संबंध में विभिन्न अन्य मापदंडों का उपयोग करके योजना के प्रदर्शन को प्रस्तुत किया। इस अध्ययन ने निष्कर्ष निकाला कि मुद्रा योजना उन सूक्ष्म उद्यमों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली में शामिल करने में सक्षम रही है, जो पहले अपनी व्यावसायिक स्थापना आवश्यकताओं के लिए ऋण प्राप्त करने में असमर्थ थे।

5) **अग्रवाल एम एवं द्विवेदी आर. (2017)** ने "प्रधानमंत्री मुद्रा योजना: एक समीक्षात्मक समीक्षा" नामक शोध पत्र में वित्तीय समावेशन की अवधारणा पर प्रकाश डाला है। इसका मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को निधियों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निधियों का वितरण करना है। यह पत्र द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है, जिसमें विभिन्न वर्षों में राज्य, श्रेणियों एवं जाति के प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न प्रकार के विश्लेषण किए गए हैं। विश्लेषण से यह निष्कर्ष निकला है कि राज्य पर्याप्त निधियां उपलब्ध कराकर महिला उद्यमियों को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करने में भी मदद करते हैं।

6) **डॉ. जे. वेकटेश और सुश्री आर. कैवन्या (2017)** ने एमएसएमई क्षेत्र के समग्र विकास पर प्रकाश डाला, इस भविष्य में मुद्रा द्वारा विभिन्न पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो लघु उद्यमों की प्रगति पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं।

7) **(सोनी, 2016)** मुद्रा, सूक्ष्म इकाइयों और रिफाइनेंस एजेंसी के विकास को समझने के प्रयासों में शोध पत्र, उनके पत्र का मुख्य उद्देश्य मुद्रा योजना, इसकी जरूरतों और इससे लाभान्वित होने के लिए आवश्यक कानूनी संरचना को समझना है। इस परियोजना के सफल समापन के लिए सरकार के अनुशंसित समाधान की जांच करने के लिए यह शोध प्रकृति में वर्णनात्मक है और साथ ही दूसरे डेटा का उपयोग किया गया है जिसमें वेबसाइट समाचार पत्र, सरकारी वेबसाइट प्रकाशन और संस्थान द्वारा रिपोर्ट ली गई है। लेखक अंततः निष्कर्ष निकालते हैं कि वर्तमान में लघु उद्यमों में नया आत्मविश्वास पैदा होगा और युवा, शिक्षित या कुशल लोगों को अपने कार्यों को बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, साथ ही मुद्रा योजना का महिला सशक्तीकरण में महत्वपूर्ण योगदान है।

8) **रॉय, अनूप कुमार (2016)** ने दर्शाया है कि लघु व्यवसाय और आर्थिक विकास की नींव रखने वाले उद्योग के लिए पिछले कुछ वर्षों में सही दिशा में कई पहल की गई हैं।

9) **रुद्रवार, एम.ए.ए. और उत्तरवार, वी.आर. (2016)** ने बताया कि पीएमवाई एक वांछित परिवर्तन ला सकता है। यदि इसे निचले स्तर पर ठीक से लागू किया जाएगा, तो यह एक गेम चेंजर विचार के रूप में हो सकता है और भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे सकता है। इसमें कम दस्तावेज शामिल होने चाहिए और आसानी से सुलभ होना चाहिए। आने वाले कुछ वर्षों में मुद्रा उद्यमियों के विकास, सकल घरेलू उत्पाद और रोजगार में वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

10) सिंघीस और त्रिपाठी, पी.(2021)

11) भट्टाचार्य, पी. एंड दास, एस.(2020)

12) अवस्थी, डी, और श्रीवास्तव, आर.(2020)

**शोध अंतराल:**

साहित्य का विश्लेषण और पूर्वावलोकन करने के बाद यह स्पष्ट है कि पीएमएमवाई भारतीय अर्थव्यवस्था में एक बड़ी भूमिका निभाता है। और कई शोधकर्ताओं ने पीएमएमवाई और बैंक, एनपीए पर इसके प्रभाव पर अध्ययन किया था, लेकिन उनमें से कोई भी विशेष रूप से महिला उद्यमियों पर पीएमएमवाई श्रेणी ऋण (शिशु, किशोर, तरुण और तरुण अधिशेष) पर ध्यान केंद्रित नहीं करता है, इसलिए 2015-2023 तक इस प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के डेटा और तथ्यों का अध्ययन विश्लेषण और व्याख्या करके और महिला उघमियो पर पीएमएमवाई श्रेणी के प्रदर्शन की जांच कर धमतरी छत्तीसगढ़ में इसका क्या प्रभाव है।

## शोध अध्ययन का उद्देश्य:-

1) विभिन्न वित्तीय वर्षों, जातिवार, पीएमएमवाई प्रगति, महिला उद्यमियों के माध्यम से प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) 2015-2023 का अवलोकन करना।

2) महिला सशक्तीकरण पर विभिन्न वर्षों और एमएसएमई क्षेत्र के प्रदर्शन का विश्लेषण करना।

3) छत्तीसगढ़ और धमतरी जिले में मुद्रा योजना की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।

## शोध पद्धति:-

इस अध्ययन में मिश्रित शोध पद्धति का उपयोग किया गया है। मुद्रा योजना के लिए जानकारी ज्यादातर मुद्रा योजना माध्यमिक प्रारंभिक रिपोर्टों और इसकी वेबसाइट से प्राप्त की गई थी, हालांकि इसे कई जर्नल पत्रिकाओं और त्रैमासिक पत्रिकाओं से भी प्राप्त किया गया था और वित्त और छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की रिपोर्ट के न्यूनतमकरण का भी विश्लेषण किया गया था, प्राथमिक डेटा लाभकारी और एमएसएमईएस वित्तीय संस्थान और सरकारी अधिकारी बैंक के साथ अध्ययन और क्षेत्र सर्वेक्षण साक्षात्कार भी था।

## सांख्यिकीय उपकरण और तकनीक:-

एकत्रित आंकड़ों का विश्लेषण औसत एवं प्रतिशत विधि का उपयोग करके ग्राफिकल और सारणीबद्ध प्रतिनिधित्व के माध्यम से आंकड़ों की व्याख्या की गई है।

## उद्देश्यों के आधार पर आंकड़ों की व्याख्या - तालिका

### 1. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना प्रगति वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2024 -25।

**TABLE-1** PRADHAN MANTRI MUDRA YOJANA PROGRESS PERFORMANCES FINANCIAL YEAR (2015-16 TO 2024-25)

| FINANCIAL YEAR | SANCTIONED PMMY LOAN A/C NO | SANCTIONED AMT RS. CRORE | DISTRIBUTED AMT RS. CRORE |
|---|---|---|---|
| 2015-16 | 34880924 | 137449.27 | 132954.736 |
| 2016-17 | 39701047 | 180528.54 | 175312.13 |
| 2017-18 | 48130593 | 253677.10 | 246437.40 |
| 2018-19 | 59870318 | 321722.79 | 311811.38 |
| 2019-20 | 6224606 | 337495.53 | 329715.03 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 2020-21 | 50735046 | 321759.25 | 311754.47 |
| 2021-22 | 53795526 | 339110.35 | 331402.20 |
| 2022-23 | 62310598 | 456537.98 | 450423.66 |
| 2023-24 | 6677013 | 541012.86 | 532358.35 |
| 2024-25 | 26122980 | 257236.18 | 250592.16 |
| TOTAL | 444471651 | 3146529.85 | 3072761.516 |

DATA SOURCES TABLE 1,2,3,4,5,6,
MUDRA PORTAL.

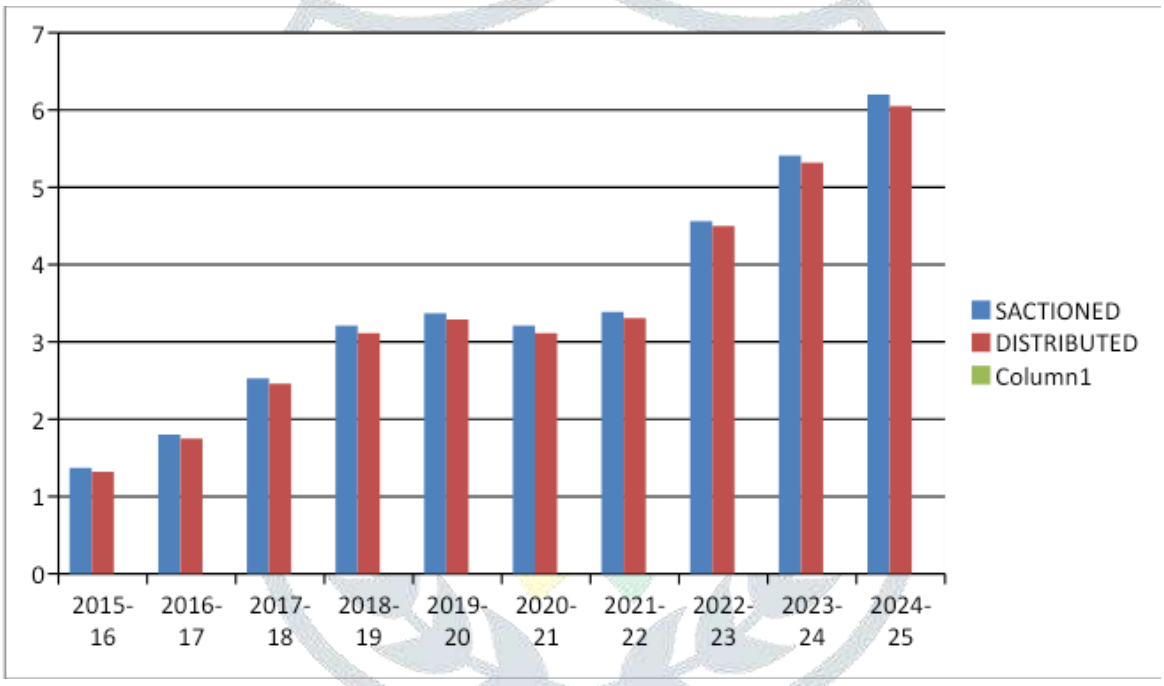


**व्याख्या -** स्वीकृत ऋण राशि और वितरित ऋण राशि में ज्यादा का अंतर नहीं है। लगभग- लगभग सभी स्वीकृत ऋण राशि को वितरित किया गया है ,अपवाद कुछ विशेष कारण के।

## 2. विभिन्न वित्त वर्षों में प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण प्रदर्शन का श्रेणीवार विश्लेषण।

TABLE 2. PMMY FINANCIAL YEAR WISE PERFORMANCE FY 2015-16 TO FY 2023-24

| S.N | FY | SHISHU CATEGORY PMMY | | | KISHORE CATEGORY PMMY | | | TARUN CATEGORY PMMY | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ACCOUNT NO | SACTIONED AMT | DISTRIBUTED AMT | ACCOUNT NO | SACTIONED AMT | DISTRIBUTED AMT | ACCOUNT NO | SACTIONED AMT | DISTRIBUTED AMT |
| 01. | 2015-16 | 32401046 | 62894.96 | 62027.69 | 2069461 | 43052.55 | 41073.28 | 410417 | 31501.76 | 29854 |
| 02 | 2016-17 | 36497813 | 85100.75 | 83891.88 | 2663502 | 53545.14 | 51063.12 | 539732 | 41882.66 | 40357.13 |
| 03 | 2017-18 | 42669795 | 106001.6 | 104228.05 | 4653874 | 86732.16 | 83197.09 | 806924 | 60943.34 | 59012.25 |
| 04 | 2018-19 | 51507438 | 142345.25 | 139651.55 | 6606009 | 104386.68 | 99868 | 1756871 | 74990.86 | 72291.84 |
| 05 | 2019-20 | 54480992 | 163528.44 | 162782.81 | 6471873 | 95578.37 | 91427.07 | 1285116 | 78359 | 75475 |
| 06 | 2020-21 | 40180115 | 109953.34 | 108637.24 | 9486160 | 132516.34 | 127239.57 | 1068771 | 72290 | 75878 |
| 07 | 2021-22 | 41721154 | 124747.37 | 123969.05 | 1108820 6 | 137644.38 | 133389.24 | 986166 | 76718.6 | 74043.91 |
| 08 | 2022-23 | 43077851 | 142766.08 | 141609.85 | 1191591 2 | 204007.38 | 200936.63 | 1316835 | 109764.52 | 107877.18 |
| 09 | 2023-24 | 41628309 | 148937.3 | 147784.68 | 2363089 0 | 262284.89 | 257094.5 | 1517814 | 129790.67 | 12749.17 |

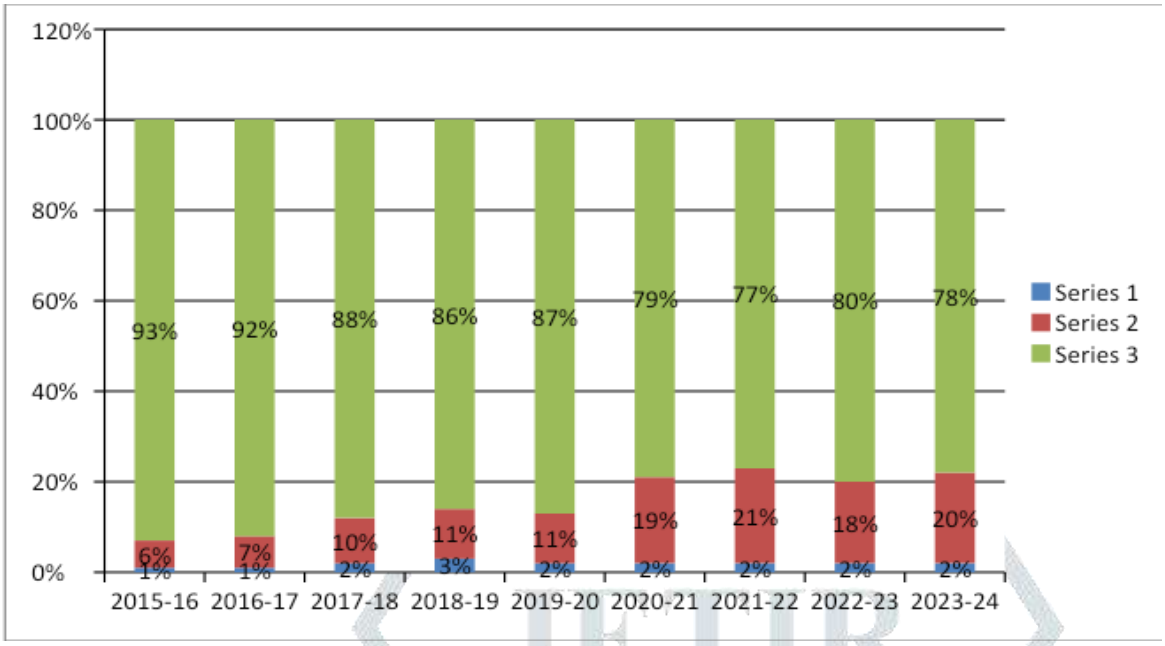


**व्याख्या -** 1. हमने तरूण श्रेणी ऋण खाता और वितरित राशि दोनों के संदर्भ में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं देखा है।

2. भविष्य के कुल पोर्टफोलियो के हिस्से के रूप में पीएमएमवाई के बहुमत ऋण खाता 78% शिशु श्रेणी में है।

3. लांच ( वर्ष में जहां शिशु ऋण का हिस्सा 92.89% था उसमें धीरे -धीरे गिरावट (कमी) हो रही है। और किशोर ऋण की हिस्सेदारी में योगदान दिया है। क्योंकि किशोर ऋण 2015-16 में 5-6% की तुलना में 2020-21 में 18-20% की हिस्सेदारी से योगदान दे रहा है।

## 3. विभिन्न जातिवार प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण का प्रदर्शन वित्त वर्ष (2023 -24) से (2015- 16 )तुलनात्मक विश्लेषण।

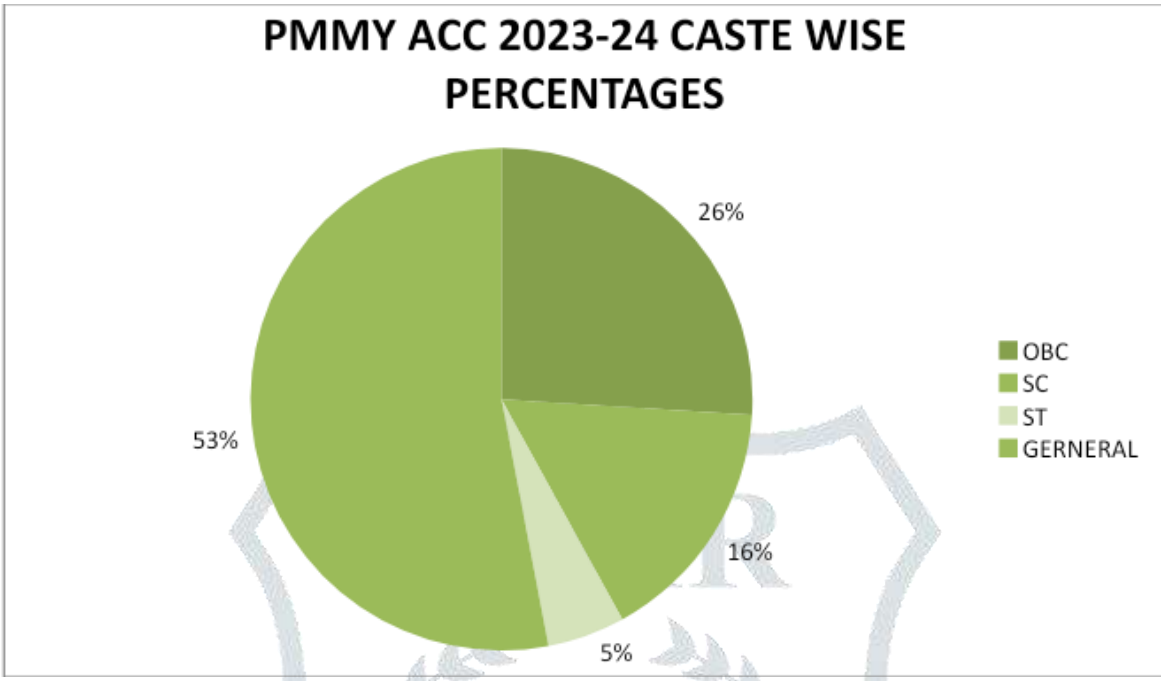


TABLE 3 TITLE PERCENTAGE SHARE OF TOTAL PMMYACCOUNTS2023-24( GERNERAL ST SC OBC)

DATA SOURCES PMMY.PORTAL.

| S.NO | CATEGOARY | PMMY ACC NO SHISHU+KISHORE+TARUN | PERCENTAGE |
|---|---|---|---|
| 1 | GERNERAL | 35429789 | 53% |
| 2 | SC | 10389545 | 16% |
| 3 | ST | 3363476 | 5% |
| 4 | OBC | 17594203 | 26% |
| 5 | TOTAL | 6677013 | 100% |

**TABLE 3. V/S PERCENTAGE SHARE PMMY ACCOUNT CATEGOARY WISE 2015-16 GERNERAL OBC SC ST**

| S.NO | CATEGOARY | PMMY ACC NO SHISHU+KISHORE+TARUN | PERCENTAGE |
|---|---|---|---|
| 1 | GERNERAL | 16479425 | 47.24% |
| 2 | SC | 6114737 | 18% |
| 3 | ST | 1678346 | 4.8% |
| 4 | OBC | 10608416 | 30% |
| 5 | TOTAL | 34880924 | 100% |

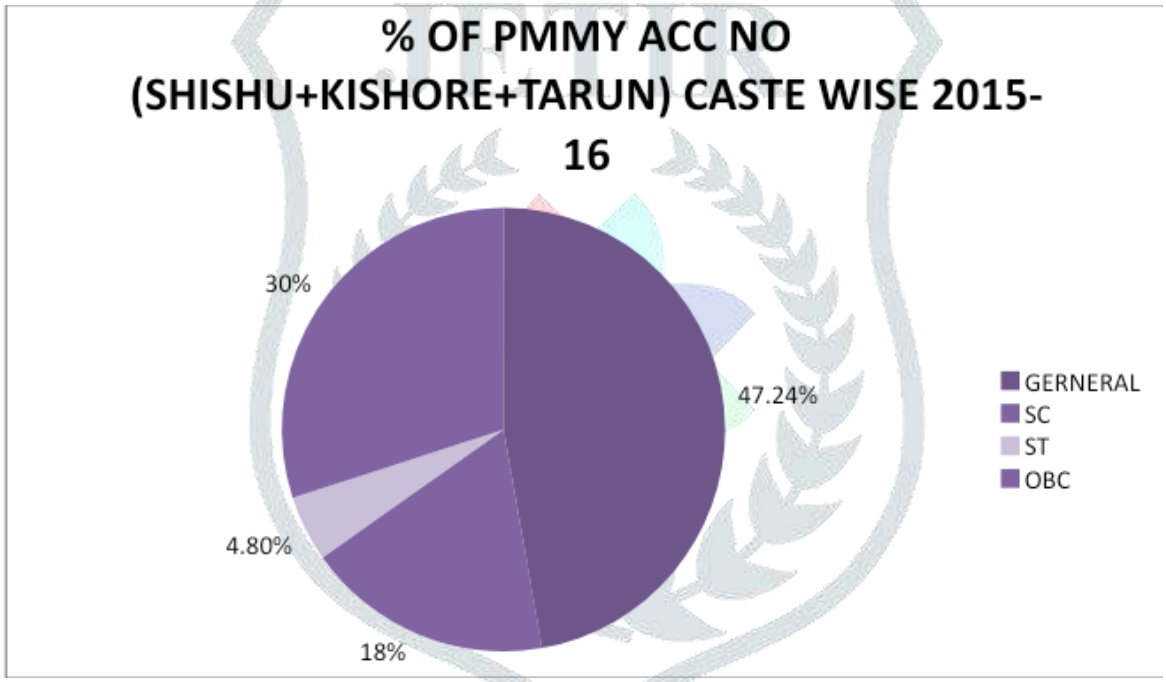


**व्याख्या -** 66777013-34880924=31896089 संख्या में **48%की वृद्धि हुई** है। साथ ही जनरल 67%, एस सी 2%, एस टी 0.5%,ओबीसी 4.5% लाभान्वित जाति जनरल अधिक है। जिससे अपेक्षाकृत बाकी जाति कम है। ओबीसी वर्ग भी मुद्रा योजना का लाभ ले तो रहा है, परंतु अभी भी जागरूकता की कमी है।

## 4. महिला उद्यमियों के प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण प्रदर्शन का शनिवार विश्लेषण (2015-16) से (2023-24)

TABLE 4. PMMY CATEGORY WISE WOMEN ENTERPRENURE PERFORMANCE FINANCIAL YEAR (2015-16 TO 2023-24)

| FY | SHISHU CATEGORY WOMEN ENTERPRENURE | | | KISHOR CATEGORY WOMEN ENTERPRENURE | | | TARUN CATEGORY WOMEN ENTERPRENURE | | | ALL CATEGORY TOTAL | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | A/C NO | SANCTION AMT | DISTRIBUTE AMT | A/C NO | SANCTION AMT | DISTRIBUTE AMT | A/C NO | SANCTION AMT | DISTRIBUTE AMT | A/C NO | SANCTION AMT | DISTRIBUTE AMT |
| 2015-16 | 2710311 | 69038.97 | 50640.02 | 473536 | 9068.03 | 8675.43 | 51611 | 4076.55 | 3874.98 | 27628265 | 82183.55 | 63190.43 |
| 2016-17 | 28472344 | 66997.91 | 66185.86 | 1586010 | 31757.94 | 30001.99 | 2529744 | 22481.56 | 21542.19 | 32588098 | 121237.41 | 117730.04 |
| 2017-18 | 32144132 | 80371.59 | 78921.72 | 1335192 | 16586.84 | 15749.53 | 78914 | 6295.7 | 5499.3 | 33558238 | 103254.13 | 100170.55 |
| 2018-19 | 33403579 | 96253.15 | 93977 | 2875392 | 26741.23 | 25666.77 | 783591 | 10039.23 | 9509.46 | 37062562 | 133033.61 | 129153.23 |
| 2019-20 | 35717217 | 109660 | 109222.18 | 2988307 | 26477 | 25160.37 | 397825 | 9045.4 | 8463.68 | 39103349 | 145182.4 | 142846.23 |
| 2020-21 | 27753288 | 74490.46 | 73872.15 | 5468211 | 50731 | 48818 | 82015 | 6082.24 | 5680.12 | 28382214 | 131303.7 | 128370.27 |
| 2021-22 | 30441921 | 89621.66 | 89233.92 | 7892778 | 70027.9 | 68661.23 | 94560 | 6772.91 | 654672 | 38429259 | 166422.47 | 812567.15 |
| 2022-23 | 32817496 | 112856.7 | 112228.35 | 11285672 | 92756.54 | 91691.19 | 153645 | 11340.92 | 11115.01 | 44256813 | 11409869.62 | 215034.55 |
| 2023-24 | 30193055 | 109355.45 | 108472.51 | 12104591 | 102677.87 | 100370.49 | 194635 | 13853.76 | 13454.27 | 42492281 | 225887.08 | 222297.27 |
| **TOTAL** | 253653343 | 808645.89 | 782753.71 | 33264889 | 402757.35 | 414795 | 4366630 | 89988.27 | 733811.01 | 32350107 9 | 12390374.14 | 1931259.72 |

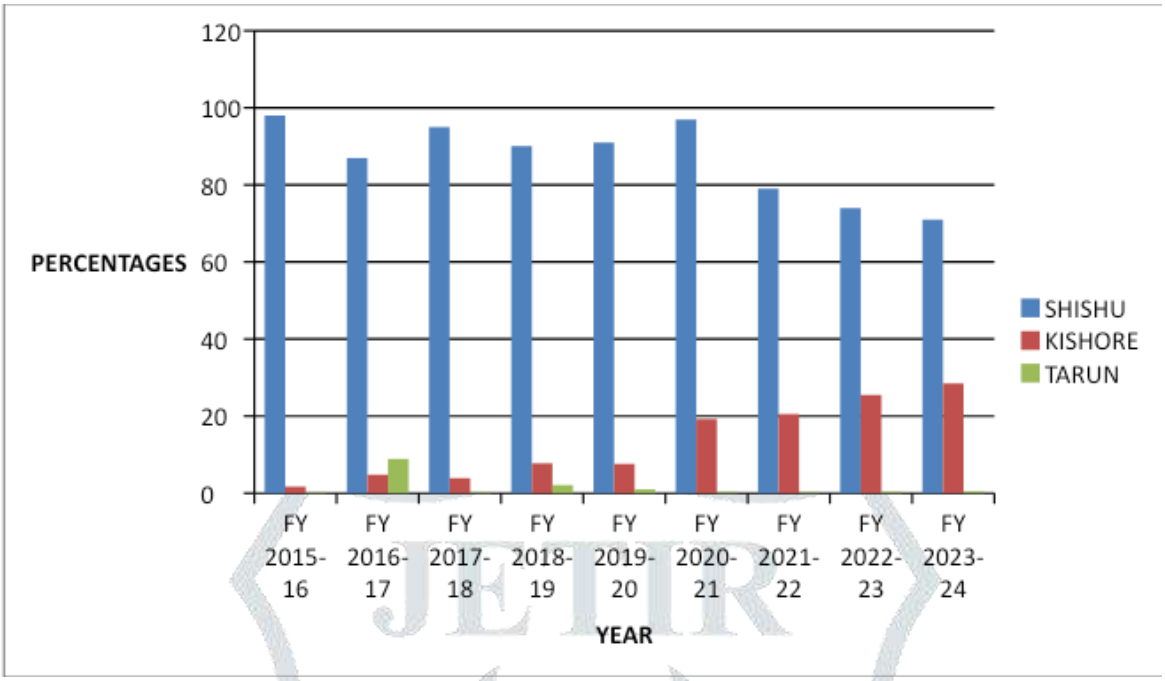


**व्याख्या -** वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2023- 24 की अवधि के गहन विश्लेषण से पता चला है कि नीचे दिए गए आंकड़े से इसकी शुरुआत से महिला उद्यमियों के लिए आबंटित राशि में लगभग 10% से अधिक की गिरावट आई है। हम यह भी देख सकते हैं कि वर्तमान समय में वितरण का अनुपात पुरुषों और महिलाओं के लिए लगभग 50 : 50 है ।इसके अतिरिक्त मुद्रा योजना के तहत कुल खाते में महिला खाता धारकों की संख्या में 2015-16 के 98% से 2021-22 में 79% और अब 2023- 24 में 71% है ।इस तरह गिरावट देखी गई है। हालांकि ,इसके बावजूद भी वे अपनी उपस्थिति बनाए हुए हैं ।और योजना में अधिकांश खाता उनके पास है।

## 5. प्रधानमंत्री मुद्रा योजना अंतर्गत प्रमुख बैंकों के अनुसार प्रगति रेखा ऋण खाता संख्या के आधार पर (2023 -24) की (2015- 16 )से तुलना

| S. NO. | PUBLIC BANK NAME | PMMY SHISHU CATEGORY | | | PMMY KISHOR CATEGORY | | | PMMY TARUN CATEGORY | | | ALL CATEGORY TOTAL | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | ACCOUNT NO | SANCTION AMT | DISTRIBUTE AMT | ACCOUNT NO. | SANCTION AMT | DISTRIBUTE AMT | ACCOUNT NO. | SANCTION AMT | DISTRIBUTE AMT | ACCOUNT NO. | SANCTION AMT | DISTRIBUTE AMT |
| 01. | STATE BANK OF INDIA | | | | | | | | | | | | |
| | 2015-16 | 76726 4 | - | 977.62 | 17809 7 | `- | 4859.2 | 86443 | - | 6444.3 6 | 10318 04 | - | 12281. 18 |
| | 2023-24 | 99853 4 | 1901.2 | 1900.9 9 | 58607 4 | 12998. 37 | 12986. 35 | 21506 8 | 28920.1 4 | 28826. 98 | 17996 79 | 43819. 72 | 43714. 32 |
| 02. | BANK OF BARODA | | | | | | | | | | | | |
| | 2015-16 | 17146 9 | - | 292.78 | 45574 | - | 875.69 | - | 807.94 | 37648 6 | - | 376486 | 2752.2 8 |
| | 2023-24 | 95968 5 | 2892.4 9 | 2871.8 4 | 31808 3 | 5232.9 6 | 5213.6 7 | 7644. 75 | 7617.8 1 | 135858 2 | 15770 .21 | 135858 2 | 15703. 32 |
| 03. | PUNJAB NATIONAL BANK | | | | | | | | | | | | |
| | 2015-16 | 48234 1 | - | 620.69 | 96083 | - | 1720.6 | - | 1252.1 3 | 59683 9 | 22727 .93 | 596839 | 3593.4 2 |
| | 2023-24 | 39115 6 | 749.52 | 641.34 | 33470 9 | 7779.5 3 | 7160.9 9 | 13228 .53 | 13129. 22 | 89142 1 | 21757 .58 | 891421 | 20931. 35 |

| | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 04. | UNION BANK OF INDIA | | | | | | | | | | | | |
| | 2015-16 | 135380 | - | 339.75 | 32577 | - | 611.55 | 4662 | - | 347.42 | 110462 | - | 1112.5 |
| | 2023-24 | 474240 | 1063.94 | 993.83 | 672271 | 12716.8 | 12316.63 | 105761 | 8947.2 | 8666.38 | 1252272 | 22727.93 | 21976.84 |
| 05 | ICICI BANK PRIVATE SECTOR | | | | | | | | | | | | |
| | 2015-16 | 76331 | - | 211.81 | 42753 | - | 1463.04 | 31792 | - | 2246.66 | 150876 | - | 3921.51 |
| | 2023-24 | 58291 | 244.13 | 138.66 | 113984 | 2983.44 | 2891.39 | 53698 | 3882.93 | 3837.14 | 225973 | 7110.49 | 6867.19 |

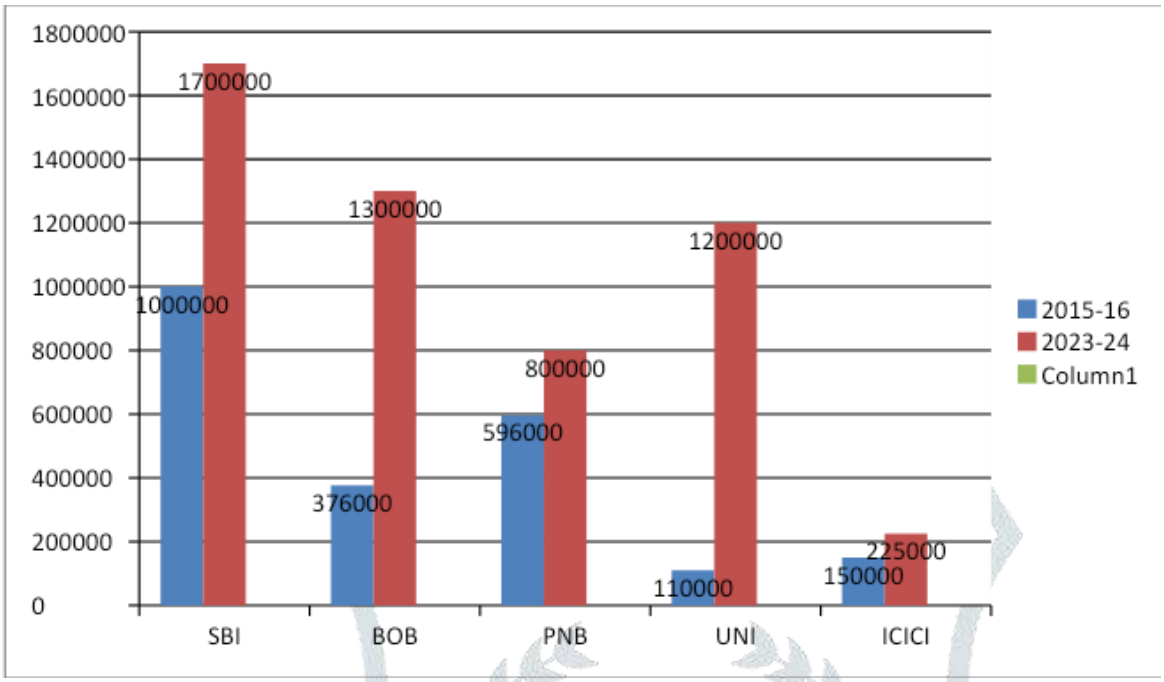


**व्याख्या** - रेखाचित्र अनुसार पांच प्रमुख बैंक का 2015-16 और 2023 -24 का तुलना कर हमें पता चलता है कि एसबीआई में 7 लाख 71%की वृद्धि हुई है ।साथ ही बैक आफ बड़ौदा पीएनबी यूनियन बैंक के पी एम एम वाई बैंक खाता की संख्या 2015- 16 से 2023 -24 में वृद्धि काफी अच्छी है ।आईसीआईसीआई बैंक अभी थोड़ी पिछड़ी हुई है।

## 6. छत्तीसगढ़ राज्य का प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का श्रेणीवार् प्रदर्शन (2015-2024)

TABLE 6. PMMY CATEGORY (SHISHU,KISHORE,TARUN) WISE PERFORMANCE IN CHHATTISGARH STATE (FY 2015-16 TO FY 2023-24)

| | SHISHU CATEGORY | | | KISHORE CATEGORY | | | TARUN CATEGORY | | | TOTAL |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| FY | ACCOUANT NO | SACTION AMT | DISTRIBUTE AMT | ACCOUANT NO | SACTION AMT | DISTRIBUTED AMT | ACCOUANT NO | SACTION AMT | DISTRIBUTE AMT | ALL CATEGORY |
| 2015-16 | 605051 | 1178.78 | - | 28559 | 512.08 | - | 6101 | 465.28 | - | 639711 |
| 2016-17 | 840480 | 1792.11 | 1749.77 | 34915 | 773.01 | 714.85 | 9546 | 769.14 | 745.24 | 884941 |
| 2017-18 | 871455 | 2016.69 | 1938.4 | 73732 | 1439.24 | 1316.49 | 16892 | 1291.36 | 1246.59 | 962079 |
| 2018-19 | 1078662 | 2772.99 | 2670.54 | 104111 | 1770.76 | 1545.02 | 18799 | 1409.46 | 1351.79 | 1201572 |
| 2019-20 | 1115562 | 3176.22 | 3148.1 | 120936 | 1851.61 | 1676.15 | 24520 | 1931.21 | 1867.44 | 1261018 |
| 2020-21 | 821423 | 2320.11 | 2284.9 | 180074 | 2558.65 | 2360.22 | 25769 | 1868.04 | 1777.95 | 1027266 |
| 2021-22 | 772151 | 2176.54 | 2163.56 | 177627 | 2202.65 | 2141.34 | 20618 | 1550.3 | 1492.56 | 970396 |
| 2022-23 | 762293 | 2437.72 | 2416.51 | 328532 | 4023.4 | 3868.6 | 24282 | 1930.5 | 1877.46 | 1115107 |
| 2023-24 | 634021 | 2245.92 | 2203.42 | 376216 | 4708.65 | 4271.02 | 25337 | 2029 | 1961.94 | 1035574 |
| TOTAL | 7501098 | - | - | 1424702 | - | - | 171864 | - | - | 9097664 |

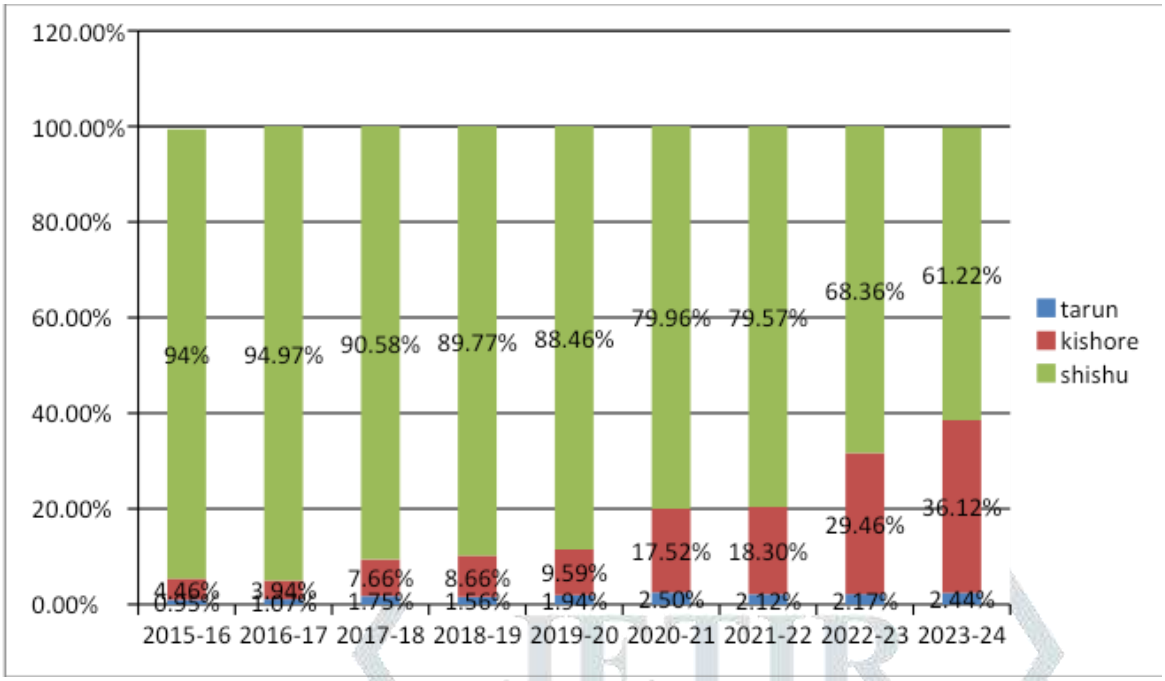


**व्याख्या -** छत्तीसगढ़ राज्य में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

1.0 तरुण श्रेणी 2015-16 में 0.35 % से 1.95% और 2020-21 में लगातार % वृद्धि हुई है, पंरतु कुछ विशेष परिवर्तन नहीं हुआ है।

2. किशोर श्रेणी में 2018-19 में 8.66% व 2019-20 लगातार % वृद्धि हुई है। जो वर्तमान में 36%है। शिशु श्रेणी ऋण में कमी होकर किशोर श्रेणी में हस्तांतरित हो रही हैं।

3. शिशु श्रेणी ऋण 2015-16 में 94% से घटकर 68-60% आ गया है। इसके बावजूद भी शिशु श्रेणी ही आगे है।

## 7. छत्तीसगढ़ राज्य में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की महिला उद्यम की प्रगति का वर्णन।

**व्याख्या** - स्त्रोत

https://cgkhabar.com/Chhattisgarh

छत्तीसगढ़ राज्य प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभ लेने में थोड़ा पीछे है।पूरे देश में छत्तीसगढ़ को 15वां स्थान प्राप्त हुआ है।और महिला की श्रेणी से भी 13वां स्थान प्राप्त हुआ है। जागरूकता व शिक्षा के अभाव में ओबीसी,एसटी,एसी वर्ग पीछे रह गया है। अन्य वर्गों की अपेक्षा सामान्य वर्ग के लोगों ने ही मुद्रा योजना का लाभ लिया है। सामान्य वर्ग में भी छत्तीसगढ़ 15वां क्रम में है। योजना के शुरुआत में 2015-2016 में सामान्य वर्ग में 16479425 सबसे अधिक खाता खोला गया।83,758,40रू. करोड़ ऋण वितरित किया गया था। छत्तीसगढ़ राज्य में महिला उद्यमियों को जागरूक करने की आवश्यकता है। जिससे वह भी बिहार, तमिलनाडु राज्य की महिलाओं जैसे प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभ प्राप्त कर सकें।

## 8. धमतरी जिले में 40 महिला उद्यमियों से सर्वे अनुसार प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की प्रगति वर्ष (2023 -24)

Table 8. dhamtari district in 40 women enterpreuners to purposive survey about pmmy progress 2023-24

| s.no | Opinion/beneficiaries | frequency | % | Valid % | Sanchyi % | Pmmy shishu | Pmmy kishore | Pmmy tarun |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Yes/beneficaries | 14 | 35 | 35 | 1.40 | 11 | 2 | 1 |
| 2 | Not beneficaries | 26 | 65 | 65 | 2.60 | - | - | - |
| 3 | total | 40 | 100 | 100 | 4.0 | - | - | - |

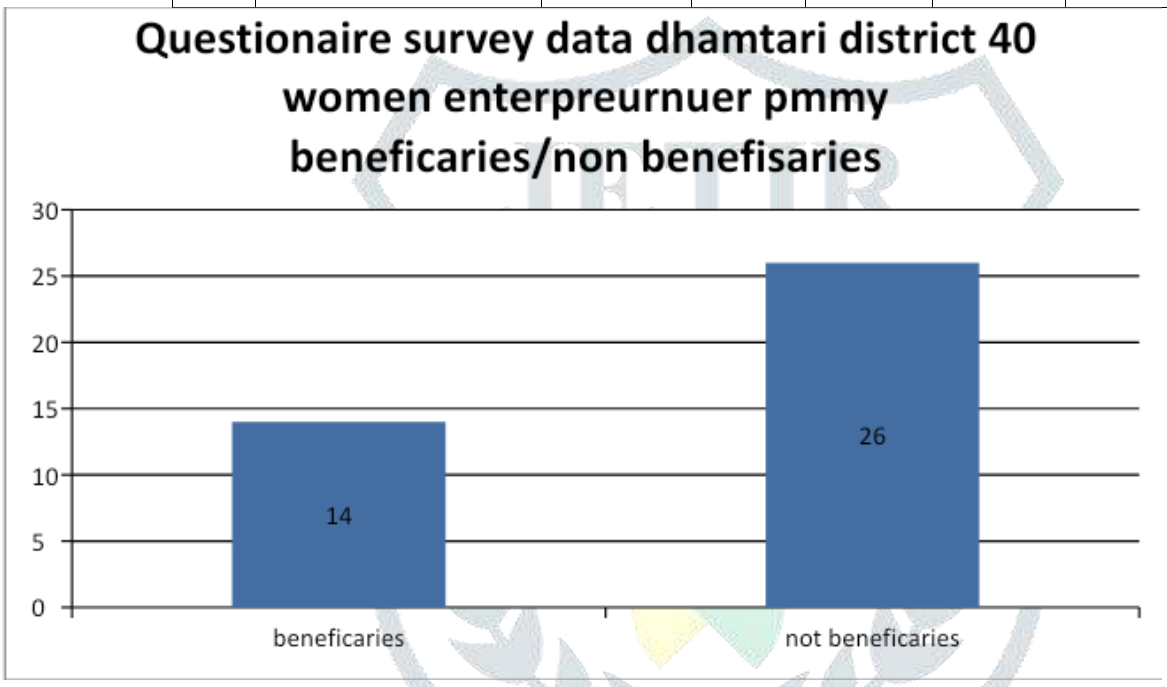


Data sources primary data

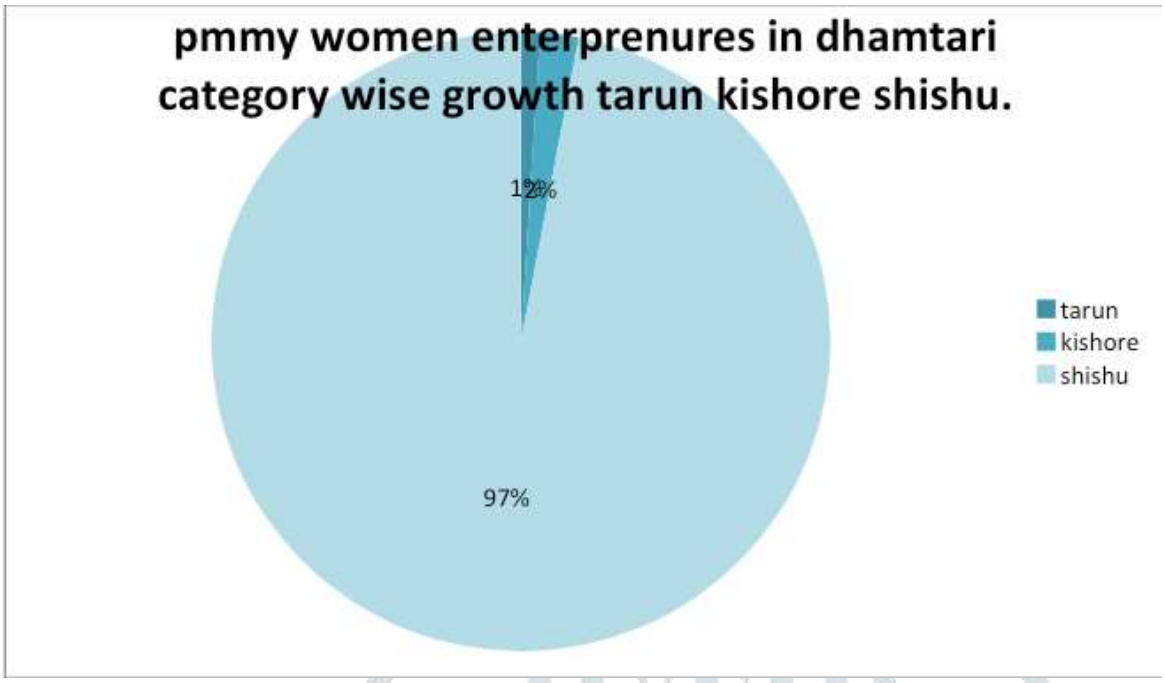


**व्याख्या** - निम्नलिखित तालिका 07 एवं आकृति 07 से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि धमतरी जिले में 40 महिला उद्यमियों से लिए गए सर्वे अनुसार हमें प्राप्त हुआ है कि 40 में से 10 महिला उद्यमियों ने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत शिशु श्रेणी से अधिक ऋण लिया है साथ ही कुछ ही महिला उघमी ने किशोर श्रेणी के ऋण लिए है। अतः हम कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से महिला उद्यमियों ने भी अपने व्यवसाय को सफल बनाया है। पंरतु उन्हें जागरूक एवं योजना की संपूर्ण जानकारी दी जाएं जिससे अधिक से अधिक महिला उद्यमियों द्वारा प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का लाभ प्राप्त किया जा सके।

**अध्ययन से प्राप्ति -**

इस योजना ने उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण सफलता दिखाई है । इस योजना के तहत 70% खाते महिला उद्योग के हैं ।और 51% खाते अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणियां के उद्योगों के हैं।

वित्त मंत्रालय द्वारा मुद्रा योजना के 8 वर्ष पूर्ण होने पर सरकार ने 40.82 करोड़ों इन खातों में लगभग 40 करोड़ 8 लख रुपए स्वीकृत किए हैं इस योजना में उद्यमिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण सफलता दिखाई है । वित्त मंत्री ने कहा एमएसएमई के विकास में "मेक इंडिया कार्यक्रम" में बड़े पैमाने पर योगदान दिया है। क्योंकि मजबूत घरेलू सकल दर में घरेलू बाजारों के साथ-साथ निर्यात को भी प्रोत्साहित करते हैं । पीएमएमवाई योजना द्वारा रोजगार के अवसर के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था में महिला उद्यमियों की भागीदारी बढ़ी है ।छोटे व्यवसाय को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस योजना के तहत रेलवे निर्माण और सेवा क्षेत्र में आए उत्पादन गतिविधियों के साथ-साथ मुर्गी पालन डेयरी ,मधुमक्खी पालन आदि जैसे किसी से संबंधित गतिविधियों के लिए की पोषण के सावधानियां और कार्यशील पूंजी

दोनों घटकों को कवर करने के लिए दिया जाता है ऋण देने वाली संस्थाएं आरबीआई के मानकों के अनुसार ब्याज दर निर्धारित करती है ।मुद्रा योजना के लिए श्रेणियां में से सबसे ज्यादा ऋण शिशु श्रेणी के स्वीकृत है जिसकी हिस्सेदारी 77.603 थी। कुल स्वीकृत राशि में से 36.79% शिशु श्रेणी के तहत वितरित की गई जबकि 40.59 % से किशोर श्रेणी के तहत वितरित की गई । कुल में से शिशु श्रेणी के 56.6% खाते महिलाओं के थे। यह शिशु श्रेणी के 26.4% राशि स्वीकृत की गई ।वैसे तो मुद्रा योजना के लोगों को अपने कारोबार बढ़ाने में मदद की है ।आरबीआई द्वारा हुआ पीएनबी द्वारा बताया गया कि बिना किसी जमानत के मुद्रा दिन गैर निष्पत्तियों ( एनपीए) में बदल सकते हैं।

1. 2% से नए उद्योगों को स्वीकृत किया गया ऋण।

2. सूक्ष्म उद्योगों के लिए ऋण की प्रक्रियाआसन।

3. मुद्रा योजना के तहत 70% महिलाओं के खाता।

4 .बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर।

5. हर 5 सेकंड में 5 लाख का ऋण।

यह ऋण वाणिज्यिक बैंक आरबीआई, लघु वित्त बैंक एमएफआई और एनबीएफसी द्वारा दिए जाते हैं। इनमें से किसी भी ऋण दाता संस्थान से संपर्क कर या इस पोर्टल www.udyamimitra.in के माध्यम से ऋण के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं अनचसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों में उघमिता को बढ़ावा देना है। मुद्रा लोन लेने के लिए आवेदक को बैंकों या संस्थाओं को कोई सिक्योरिटी जमा करने की जरूरत नहीं होती इन लोन का भुगतान 5 साल तक किया जा सकता है सामान्य ब्याज दर के साथ।

मुद्रा लोन क्षेत्र मुद्रा योजना के माध्यम से किसान या उघमी विनिर्माण कृषि से संबंधित क्षेत्र के माध्यम से आय अर्जित करने के लिए लोन ले सकते हैं। इस योजना के तहत टर्म लोन और कार्यशील पूंजी दोनों के लिए ऋण दिया जाता है ।

इसके तहत मुर्गी पालन, डेयरी,मधुमक्खी पालन ,कृषि सहित विनिर्माण व्यापार और सेवा क्षेत्र में। ऋण दिए जाते हैं ।साथ ही इस योजना के अंतर्गत कमर्शियल वाहन जैसे ट्रैक्टर ,छोटा रिक्शा ऑटो रिक्शा ,ट्राली माल परिवहन वाहन,तीन पहिया वाहन, ई रिक्शा खरीदने के लिए भी ऋण लिया दिया जा सकता है।

मुद्रा लोन लेने के लिए योग्य संस्थाएं मुद्रा लोन के तहत केवल सर्विसेज मैन्युफैक्चरर और ट्रेनिंग सेक्टर में लगी निम्नलिखित संस्था द्वारा प्राप्त किया जाता है व्यक्तिगत, नौकरी पेशावरी स्टार्टअप एमएसएमई द्वारा दुकानदार ,रेहड़ी पटरी वाले खुदरा विक्रेता व्यापारी, छोटा निर्माता और कारीगर, सोल

प्रोपराइटरशिप, प्रोपोर्टेशन ,पार्टनरशिप लिमिटेड ,लायबिलिटी पार्टनरशिप, एलएलपी और अन्य व्यावसायिक संस्थाएं।

**मुद्रा लोन के लिए अप्लाई कैसे करें** एप्लीकेशन फॉर्म mudra.org.in पर मौजूद है जहां से डाउनलोड कर सभी जरूरी जानकारी भर सकते ऑनलाइन भी भरा जा सकता है ।एक बार जब बैंक सब डाक्यूमेंट्र चेक कर लेता है की जमा किए गए दस्तावेज सही है तो लोन को स्वीकृत कर दिया जाता है। और 7 से 10 कार्य दिवसों के भीतर आपके बैंक अकाउंट में लोन राशि ट्रांसफर कर दी जाती है।

## मुद्रा ऋण जरूरी दस्तावेज

पासपोर्ट साइज फोटो के साथ विधिवत भरा हुआ एप्लीकेशन फॉर्म, आवेदक और सह-आवेदक की केवाईसी दस्तावेज, पासपोर्ट, वोटर आईडी, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड बिजली बिला।

अगर आवेदन किसी स्पेशल कैटिगरी से है तो ओबीसी आप सबका तो उसका प्रमाण पत्र बिजनेस करने का जगह उनका पता कितने साल से चल रहा है इसका प्रमाण दिया है तो।
**नोट -** शिशु लोन योजना के मामले में जमा किया जाने वाला मुद्रा लोन एप्लीकेशन फॉर्म अलग है जबकि किशोर और तरुण लोन योजना के मामले में अलग है।

## मुद्रा लोन देने वाले बैंक है:-

कुछ प्रमुख बैंक ऑफ़ बड़ोदा पंजाब नेशनल बैंक स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया आईसीआईसीआई बैंक।

**हेल्पलाइन**
**1800-180-(11)**
**1800-11-0001**

## महिलाओं को मुद्रा लोन कैसे मिलेगा?

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत आने वाली मुद्रा योजना महिलाओं को बिज़नेस करने के लिए प्रोत्साहित करती है और इसके लिए बैंक, एनबीएफसी और माइक्रो फाइनेंस इंस्टीट्यूशंस (MFI) महिला उद्यमियों को कम ब्याज दरों पर कोलैटरल- फ्री बिज़नेस लोन प्रदान करते हैं। महिला उद्यमियों के लिए मुद्रा योजना के तहत अधिकतम 10 लाख रु. तक की लोन राशि प्रदान की जाती है जिसका भुगतान 5 साल तक किया जा सकता है। महिलाओं के लिए मुद्रा लोन की योग्यता शर्तें वही होती हैं, जो व्यक्तियों और उद्यमों के लिए ज़रूरी होती हैं। महिला उद्यमियों के लिए मंज़ूर की गई लोन राशि पर बहुत कम या फिर ज़ीरो प्रोसेसिंग फीस ली जाती है।

## मुद्रा कार्ड क्या है?

मुद्रा कार्ड एक प्रकार का डेबिट कार्ड है जो मुद्रा लोन लेने वालों को उनके बिज़नेस और वर्किंग कैपिटल संबंधी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए जारी किया जाता है। मुद्रा लोन को मंज़ूरी मिलने के बाद, बैंक/ लोन संस्थान उधारकर्ता के लिए एक मुद्रा लोन अकाउंट खोलता है और इसके साथ ही एक डेबिट कार्ड भी जारी करता है। लोन राशि बैंक अकाउंट में ट्रांसफर की जाती है जिसे उधारकर्ता अपनी बिज़नेस संबंधी ज़रूरतों के मुताबिक कुछ हिस्सों में निकाल सकते हैं।

## प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण के लिए आवेदन करने के चरण

चरण 1: आत्म-मूल्यांकन
चरण 2: व्यवसाय योजना
चरण 3: ऋणदाता चुनें
चरण 4: दस्तावेज़ एकत्र करें
चरण 5: ऋण आवेदन
चरण 6: आवेदन जमा करें
चरण 7: मूल्यांकन और सत्यापन
चरण 8: ऋण स्वीकृति
चरण 9: ऋण उपयोग
चरण 10: पुनर्भुगतान

एक महिला उद्यमी के रूप में मुद्रा लोन के लिए आवेदन करना आपकी व्यावसायिक आकांक्षाओं को साकार करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम हो सकता है।

## महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की भूमिका:-

मुद्रा ऋणों की प्रभावशीलता छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता के लिए एक सम्मोहक सांख्यिकीय प्रमाण के रूप में उभरती है। आज तक 6.48 करोड़ (64.8 मिलियन) मुद्रा ऋण वितरित किए गए हैं, ये ऋण पूरे देश में लघु-स्तरीय उद्यमों के विकास और संपोषण के लिए एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक बन गए हैं। जैसा कि हम इस चर्चा में गहराई से उतरते हैं, न केवल विशुद्ध संख्यात्मक परिमाण को रेखांकित करना आवश्यक है, बल्कि मुद्रा ऋणों के सामाजिक-आर्थिक निहितार्थ भी हैं।

मुद्रा लोन से लैस महिला उद्यमियों ने न केवल आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि पारंपरिक भूमिकाओं को चुनौती देते हुए लैंगिक सशक्तिकरण की लहर भी चलाई है और देश के सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनकी उल्लेखनीय यात्रा इस तथ्य को रेखांकित करती है कि वित्तीय

समावेशन और लैंगिक समानता एक-दूसरे से अभिन्न रूप से जुड़े हुए हैं। जैसे-जैसे हम मुद्रा ऋणों की बहुआयामी दुनिया और उनके परिवर्तनकारी प्रभाव में गहराई से उतरते हैं, यह कथा न केवल सांख्यिकीय मील के पत्थर बल्कि लचीलेपन, महत्वाकांक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण की कहानियों को भी उजागर करती हैं।

## महिला उद्यमियों को कई चुनौतियों और बाधाओं से जूझना पड़ रहा है:

- **वित्त तक पहुंच:** पूंजी हासिल करना एक महत्वपूर्ण बाधा बनी हुई है, क्योंकि महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों को अक्सर ऋण और निवेश के अवसरों तक सीमित पहुंच का सामना करना पड़ता है।
- **लिंग पूर्वाग्रह:** प्रचलित लिंग संबंधी रूढ़िवादिता और पूर्वाग्रह महिलाओं की नेटवर्क बनाने, सलाहकारों तक पहुंचने और प्रभावी ढंग से व्यापारिक सौदों पर बातचीत करने की क्षमता में बाधा डाल सकते हैं।
- **जिम्मेदारियों में संतुलन:** उद्यमशीलता के कार्यों और पारंपरिक घरेलू भूमिकाओं के बीच संतुलन बनाना कठिन हो सकता है, जिससे व्यवसाय की निरंतरता प्रभावित हो सकती है।
- **बाजार पहुंच:** बाजारों और वितरण नेटवर्क तक सीमित पहुंच महिला उद्यमियों की विकास संभावनाओं में बाधा उत्पन्न कर सकती है।
- **तकनीकी साक्षरता:** डिजिटल युग में, तकनीकी साक्षरता में लैंगिक अंतर व्यवसाय विस्तार के लिए डिजिटल उपकरणों के उपयोग में बाधा बन सकता है।

मुद्रा ऋण सूक्ष्म और लघु उद्यमों की वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं, खासकर उन उद्यमों की जो महिलाओं द्वारा संचालित हैं। ये ऋण उन्हें आवश्यक वित्तीय संसाधन प्रदान कर रहे हैं और नवाचार, रोजगार सृजन और आर्थिक विविधीकरण को बढ़ावा देकर आर्थिक विकास में योगदान दे रहे हैं।

## सफलता की कहानी

1. **नेहा सिंह, तरूण ऋण प्राप्तकर्ता ने** खाद्य प्रसंस्करण करने इकाई स्थापित करने के लिए ₹7,00,000 का ऋण लिया ।पारंपरिक स्नेक्स में विशेषज्ञता रखने वाले उनके काम ने ना केवल स्थानीय पाक परंपराओं को संरक्षित किया ,बल्कि उनके गांव की महिलाओं को भी रोजगार के अवसर दिए।

2. **एन.जी. गीता ,विनोबा नगर तरुण श्रेणी** प्रधानमंत्री मुद्रा योजना 10 लाख रुपए राशि प्राप्त कर अपने कपड़े की दुकान के व्यवसाय को और अच्छा और बड़ा किया और कपड़ों को अच्छी गुणवत्ता रेडीमेड कटिंग में चिल्हर में सामान रखकर दुकान में समान भर कर साथ ही प्रतिदिन कमाई में वृद्धि हुई और 20 से 25 महिलाओं को रोजगार प्राप्त हुआ।

3. **श्रीमती संजू देवी राजस्थान** प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और अपने बैंक का आभार मानती है कि उन्होंने ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण प्राप्त किया था। पैसे की कमी के कारण अपनी खुद की ब्यूटी पार्लर की दुकान नहीं बना सकती थी ।उन्हें ब्यूटी पार्लर में अपना कार्य करना था उनको सही दिशा देने के लिए तथा उन्होंने अपने नजदीक की बैंक ऑफ़ बड़ौदा बैंक से संपर्क किया ।उनका उत्साह और उल्लास देखकर बैंक ने संजू देवी को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत किशोर श्रेणी ₹150000 से वह अपने व्यवसाय को मूर्त रूप देकर स्वावलंबी भी बन गया ।अब उनके मासिक आय बढ़ गई है 25000रूपये होगी और साथ ही लोगों को भी रोजगार की प्राप्ति हुई।

4. **रिंकू यादव** को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से 110000 रूपये श्रेणी किशोर की प्राप्ति हुई।पति की कमाई से गृहस्थी चलाना आसान नहीं था। मुश्किलों का सामना करते हुए सिलाई का कार्य करती थी। अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री के माध्यम ऋण प्राप्त कर सिलाई कढ़ाई कार्य स्वयं का शुरू किया।अपनी आजीविका को स्थाई किया।

5. **श्रीमती पूजा, शिशु श्रेणी** के अंतर्गत प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ₹60000 सिलाई मशीन का कार्य करते हुए। अपनी दुकान को थोड़ा और अच्छा करने के लिए के लिए प्रधानमंत्री योजना से मुद्रा लोन लिया और अपने पैरों पर खड़ी होकर आत्मनिर्भर होकर स्वयं तथा परिवार का पालन पोषण किया।

6. **श्रीमती राजकुमारी वर्मा रायपुर** किशोर श्रेणी के अंतर्गत ₹4 लाख की वित्तीय सहायता प्रदान की ।जिससे कि उन्होंने अपने लगातार मेहनत से सब्जी की दुकान फिर से स्थापित की कुछ महीनो में ग्राहक और आमदनी बढ़ती गयी। अब राजकुमारी वर्मा समाज में अपने परिवार के साथ अपना जीवन बेहद खुशी और सम्मान से व्यतीत कर रही है।

7. **श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता रायपुर** ने शिशु श्रेणी अंतर्गत ₹50000 प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ले कर फलों की दुकान लगाकर फलों का व्यवसाय करती है और अपना घर चलाती है। उन्होंने फल दुकान के साथ फलों का रस का भी व्यवसाय कर रही है ।सभी स्थापित किया और अपनी दुकान चल रही है।

8. **श्रीमती कुमारी धमतरी** प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत किशोर श्रेणी ₹6 00000लाख की ऋण प्राप्त कर जिससे कि उन्होंने अपनी लगातार मेहनत से सब्जी की दुकान पर स्थापित की कुछ महीनो में ग्राहक एवं आमदनी बढ़ती गयी।परिवार के साथ अपना जीवन बेहद खुशी और सम्मान से व्यतीत कर रही है और साथ ही प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एवं अपने बैंक का आभार व्यक्त करती है।

**स्त्रोत - पीएमएमवाई**

उपरोक्त सफलता की कहानियाँ स्पष्ट रूप से बताती हैं कि मुद्रा लोन किस तरह महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक बाधाओं से निपटने में सक्षम बनाता है। वित्तीय सहायता प्रदान करके, मुद्रा लोन ने महिलाओं को अपने उद्यमशीलता के सपनों को पूरा करने में सक्षम बनाया है, जिसने बदले में स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं और पूरे देश के विकास में योगदान दिया है।

## भारत में महिला उद्यमिता का वर्तमान परिदृश्य:-

सांख्यिकीय डेटा भारत में महिला उद्यमियों के लिए एक गतिशील परिदृश्य को दर्शाता है। सितंबर 2021 में मेरे अंतिम ज्ञान अपडेट के अनुसार, भारत में महिलाओं के स्वामित्व वाले उद्यम महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे थे, जो देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे थे। यहाँ कुछ प्रमुख आँकड़े दिए गए हैं:

| सूचक | आंकड़े |
|---|---|
| भारत में कुल महिला उद्यमी | 10मिलियन से अधिक (स्रोत: ILO) |
| महिला-नेतृत्व वाली एमएसएमई | सभी एमएसएमई का लगभग 20% (स्रोत: एमएसएमई मंत्रालय) |
| स्टार्टअप संस्थापकों में हिस्सा लें | लगभग 14% (स्रोत: नैसकॉम) |

## मुद्रा ऋण के साथ महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना

भारत में महिला उद्यमियों पर मुद्रा ऋणों का प्रभाव उल्लेखनीय है। ये ऋण बाधाओं को तोड़ने और महिलाओं को उद्यमशीलता के क्षेत्र में कदम रखने में सक्षम बनाने में महत्वपूर्ण रहे हैं। आइए सांख्यिकीय दृष्टिकोण से इस परिवर्तन का पता लगाएं और प्रेरक सफलता की कहानियाँ साझा करें:

### मुद्रा ऋण से महिला सशक्त सांख्यिकी के विवरण

मुद्रा ऋण लाभार्थियों में 65% से अधिक महिलाएं हैं, लगभग 70%जो उद्यमिता में उनकी बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

3.5 करोड़ (35 मिलियन) से अधिक महिला उद्यमियों ने मुद्रा ऋण का लाभ उठाया है, जिससे वे आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो रही हैं।

## महिला उद्यमियों के लिए मुद्रा ऋण के लाभ

- वित्तीय समावेशन
- सस्ती पूंजी तक पहुंच
- व्यापार विस्तार के अवसर
- सशक्तिकरण और स्वतंत्रता
- रोजगार सृजन
- आर्थिक विकास
- लैंगिक समानता संवर्धन

मुद्रा ऋण भारत में महिला उद्यमियों के लिए आशा की किरण बनकर उभरे हैं, जो अनेक विशिष्ट लाभ प्रदान करते हैं, जो न केवल उद्यमिता में लैंगिक समानता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति देते हैं।

### कम ब्याज दरें और अनुकूलित योजनाएं:-

मुद्रा लोन अक्सर पारंपरिक वित्तपोषण विकल्पों की तुलना में कम ब्याज दरों पर उपलब्ध होते हैं। इससे महिला उद्यमियों के लिए उधार लेना अधिक किफायती हो जाता है, जिससे व्यवसाय शुरू करने या विस्तार करने से जुड़ा वित्तीय बोझ कम हो जाता है।

मुद्रा के तहत योजनाएं महिलाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाई गई हैं, जिसमें सूक्ष्म उद्यमों से लेकर बड़े उद्यमों तक, उनके विविध उद्यमशीलता प्रयासों को मान्यता दी गई है। ये अनुकूलित योजनाएं सुनिश्चित करती हैं कि महिलाओं को वित्तीय संसाधनों तक पहुंच मिले जो उनके व्यावसायिक लक्ष्यों के अनुरूप हों।

### वित्तीय समावेशन :

उद्यमिता में लैंगिक अंतर को पाटने में मुद्रा ऋण एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महिलाओं को औपचारिक वित्तीय संस्थानों तक पहुँच प्रदान करके, ये ऋण वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हैं, जिससे महिलाओं को क्रेडिट इतिहास बनाने और अपनी वित्तीय प्रोफ़ाइल को मजबूत करने में मदद मिलती है।

### उद्यमिता को सशक्त बनाना:

पूंजी तक आसान पहुंच की सुविधा प्रदान करके, मुद्रा ऋण महिलाओं को विविध व्यावसायिक अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है। चाहे वह एक छोटे पैमाने की विनिर्माण इकाई शुरू करना हो, बुटीक शुरू करना हो, या कृषि-व्यवसाय में उतरना हो, ये ऋण महिलाओं को उनके उद्यमशीलता के सपनों को हकीकत में बदलने में सक्षम बनाते हैं।

**रोजगार सृजन:**

मुद्रा लोन की मदद से महिला उद्यमी अपने लिए और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं। रोजगार सृजन से स्थानीय समुदायों को भी मदद मिल रही है और आर्थिक विकास में योगदान मिल रहा है।

**आर्थिक विकास :**

मुद्रा लोन का लिंग-समावेशी दृष्टिकोण भारत की महिला कार्यबल की पूरी क्षमता को उजागर करने में मदद करता है, जो बदले में आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसाय जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं और देश के उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करते हैं।

**लैंगिक समानता:**

मुद्रा ऋण उद्यमिता में लैंगिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो पारंपरिक रूढ़िवादिता को चुनौती देता है तथा महिलाओं को सक्षम और सफल व्यापारिक नेताओं के रूप में बढ़ावा देता है।

**शोध की सीमाएं**

- शोध कार्य एक निश्चित समय अवधि 2015-16 से 23-2024 तक लिया है।
- शोध कार्य में तरूण अधिशेष (प्लस)के आंकड़े नहीं है।
- शोध कार्य विशेष महिला उद्यमियों व छत्तीसगढ़ राज्य धमतरी जिले के लिए संदर्भित हैं।
- यह प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का केवल एक विंहगलोकन हैं।

**सुझाव:-**

नीचे दिए गए सुझावों का पालन करके, महिला उद्यमी प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण आवेदन प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से पूरा कर सकती हैं और अपने उद्यमशीलता के सपनों को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्राप्त करने की संभावनाओं को बढ़ा सकती हैं।

- बिलों और ऋणों का समय पर भुगतान करके अच्छा क्रेडिट इतिहास बनाए रखें।
- एक मजबूत व्यवसाय योजना बनाएं जो आपके व्यावसायिक लक्ष्यों और वित्तीय अनुमानों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करे।
- अपनी कुछ पूंजी निवेश करके व्यवसाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए तैयार रहें।

- अपने ऋण आवेदन को मजबूत बनाने के लिए व्यावसायिक सलाहकारों या वित्तीय सलाहकारों से मार्गदर्शन लें।
- वित्तीय स्पष्टता बनाए रखने के लिए अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक वित्त को अलग रखें।

प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण सशक्तिकरण की एक किरण के रूप में खड़ा है, जो भारत में महिला उद्यमियों के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। इन वित्तीय साधनों ने न केवल बाधाओं को तोड़ा है, बल्कि महत्वाकांक्षा, लचीलेपन और आर्थिक विकास की लौ भी जलाई है। आंकड़े एक आकर्षक तस्वीर पेश करते हैं, जिसमें देश भर में लाखों महिलाएं इन ऋणों से लाभान्वित हो रही हैं, और परिवर्तनकारी उद्यमशीलता की यात्रा पर निकल रही हैं।

जब हम मुद्रा लोन की संभावनाओं का लाभ उठाने वाली महिलाओं की यात्रा पर विचार करते हैं, तो उनकी कहानियाँ आशा और प्रेरणा की किरण के रूप में गूंजती हैं। डेयरी फार्मिंग से लेकर बुटीक फैशन और खाद्य प्रसंस्करण तक, महिला उद्यमी केवल सपनों का पीछा नहीं कर रही हैं; वे एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रही हैं जहाँ आर्थिक सशक्तिकरण कोई लैंगिक सीमा नहीं जानता।

मुद्रा लोन का समर्थन करने वाले वित्तीय संस्थानों की श्रृंखला में, बैंक एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में खड़ा है। वित्तीय समावेशन और महिला सशक्तिकरण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, बैंक आपकी ज़रूरतों के हिसाब से मुद्रा लोन योजनाओं की एक श्रृंखला प्रदान करता है। बैंक की विशेषज्ञता और समर्पण इसे महिला उद्यमियों के लिए एक आदर्श विकल्प सभी महिला उद्यमियों को याद रखना चाहिए कि आप अकेली नहीं हैं। सहायता, मार्गदर्शन और वित्तीय संसाधन आपकी पहुँच में हैं। उद्यमिता के इस उल्लेखनीय मार्ग पर मुद्रा ऋण और बैंक जैसी संस्थाओं को अपना सहयोगी बनने दें, जहाँ आपकी सफलता न केवल आपके स्वयं के विकास में योगदान देती है, बल्कि हमारे राष्ट्र की आर्थिक समृद्धि में भी योगदान देती है। भविष्य को आकार देना आपका काम है, और कार्य करने का समय अभी है।

## निष्कर्ष:-

महिलाओं के लिए मुद्रा योजना का प्राथमिक लक्ष्य महत्वाकांक्षी महिला उद्यमियों को महत्वपूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान करना है जो अपनी फर्म शुरू करना या विकसित करना चाहती हैं। यह कार्यक्रम उन महिला उद्यमियों को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो बिना किसी सुरक्षा के व्यावसायिक ऋण प्रदान करके अपने उद्यमों को प्रभावी ढंग से बनाना और चलाना चाहती हैं। मुद्रा ऋण योग्यता आवश्यकताओं को प्राप्त करने के लिए, व्यवसायी महिलाओं को महिलाओं के लिए विकसित मुद्रा योजना योजना को पूरा करना होगा। वे महिलाओं के लिए मुद्रा योजना योजना के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से आवेदन कर सकती हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना महिला उद्यमियों के लिए एक सहायता नेटवर्क प्रदान करता है। यह कार्यक्रम उन महिलाओं की मदद करता है जो अपना खुद का व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं, इसके लिए उन्हें फंडिंग, प्रशिक्षण और मार्केटिंग सहायता प्रदान की जाती है। यह महिलाओं को उद्यमिता की बाधाओं को दूर करने और व्यवसाय के मालिकों के रूप में

सफलता प्राप्त करने में सहायता करता है। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के महिला उद्यम कार्यक्रम का लक्ष्य महिला उद्यमियों को वित्तपोषण के लिए आवेदन करने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करना है। मुद्रा योजना के तहत स्वीकृत किए गए लगभग 70% ऋण महिला उद्यमियों को दिए जाते हैं और लगभग आधे ऋण SC/ST महिलाओं को दिए जाते हैं।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना महिलाओं को अपने खुद के व्यवसाय की जिम्मेदारी लेने, आर्थिक रूप से जुड़ने के तरीके को बदलने और दूसरों के लिए रोजगार के अवसर प्रदान कर रहा है। यह कार्यक्रम भारत में महिला उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और वित्तीय समावेशन प्राप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है।केंद्र सरकार एवं छत्तीसगढ़ राज्य सरकार हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिये नई योजनाओं के निर्माण के साथ ही उन्हें प्रोत्साहन दे रही है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लघु और कुटीर उद्योग में बड़ी संख्या में महिलाएँ काम कर रही हैं। इसके साथ ही स्व-सहायता समूह के माध्यम से गौठानों, वनोपज संग्रहण सहित अन्य क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएँ प्रधानमंत्री मुद्रा योजना से लाभान्वित होकर राज्य के एवं देश के विकास में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों में भारत के आर्थिक विकास और विकास में विस्तार और योगदान करने की क्षमता है, अगर उन्हें उचित समर्थन और प्रोत्साहन दिया जाए।

## संदर्भ ग्रंथ -


1. वित्त मंत्रालय, भारत सरकार 2023,मुद्रा योजना रिपोर्ट से।
2. छत्तीसगढ़ राज्य सरकार 2023 छत्तीसगढ़ का आर्थिक सर्वेक्षण।
3 . सूक्ष्म, लघु और मध्यम मंत्रालय भारत सरकार 2022 वार्षिक रिपोर्ट।
4. डॉ फिरोज कुमार सोनवानी 2024 "छत्तीसगढ़ राज्यों में गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों के आर्थिक विकास पर मुद्रा योजना का प्रभाव।"
5. शैलेंद्र कुमार गुप्ता, 2015-2019 की समयावधि के लिए मुद्रा योजना के वित्तीय प्रदर्शन पर शोध पत्र रिपोर्ट। एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट2022:23(3):251-1,doi:10,52711/2321-5763,2022.00044
6. रुद्रवार, एम.ए. (2016). मुद्रा योजना का मूल्यांकन अध्ययन, बहुभाषी अध्ययन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।
7. रॉय, ए.के. 2016, मुद्रा योजना - लघु व्यवसाय वित्तपोषण के लिए एक रणनीतिक उपकरण परिचय सीएस और प्रबंधन अध्ययन में अग्रिम अनुसंधान के जर्नल।
8. महाजन, ए, (2018)। प्रबंधन विज्ञान की मुद्रा योजना के प्रदर्शन और प्रभाव का विश्लेषण। खंड, 7 (3), 1-5।

9. वित्तीय वर्ष 2015-16,16-17,17-18, 18-19, 19-20, 20-21, 21-22, 2022-23, 2023-24 के लिए माइक्रो यूनिट्स डेवलपमेंट एंड रिफाइनेंस एजेंसी लिमिटेड (मुद्रा) की वार्षिक रिपोर्ट।

10. मनीष अग्रवाल और रितेश दिवेदी (2017) प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एक समीक्षात्मक समीक्षा

11. डॉ.राजगोपाल (2022), प्रधानमंत्री मुद्रा योजना का प्रदर्शन एक तुलनात्मक अध्ययन।

12. गुंजन भयाना, रश्मि, प्रोफेसर राज कुमार (2020) उद्यम विकास में मुद्रा योजना की भूमिका।

13. शशांत बी.एस. (2022) इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केस स्टडीज इन बिजनेस, आईटी एंड एजुकेशन।

14. तेलंगाना क्षेत्र में महिला ग्रामीण लाभार्थियों के बीच प्रधानमंत्री मुद्रा योजना योजना की जागरूकता और समीक्षा पर एक अध्ययन। डॉ एम गीता, लिंगनगुंटा भारद्वाज, जी गायत्री, गुडा आकाश।

15. https://data.gov.in

16. धमतरी जिला कार्यालय मुद्रा योजना जानकारी बैंक रिपोर्ट।